

---

## Chandrastotram 2

चन्द्रस्तोत्रम् २

### Document Information

---

Text title : Chandrastotram 2

File name : chandrastotram2.itx

Category : navagraha

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Transliterated by : PSA Easwaran

Proofread by : PSA Easwaran

Latest update : January 18, 2020

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 18, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Chandrastotram 2

---

### चन्द्रस्तोत्रम् २

---



ध्यानं

श्वेताम्बरान्वितवपुर्वरशुभ्रवर्णं

श्वेताश्वयुक्तरथगं सुरसेविताङ्घ्रिम् ।

दोभ्यां वृताभयगदं वरदं सुधांशुं

श्रीवत्समौक्तिकधरं प्रणमामि चन्द्रम् ॥ १ ॥

आग्नेयभागे सरथो दशाश्वश्चात्रेयजो यामुनदेशजश्च ।

प्रत्यङ्मुपस्थश्चतुरस्रपीठे गदाधराङ्गो वररोहिणीशः ॥ २ ॥

चन्द्रं यतुर्भुजं देवं डेयूरमकुटोज्ज्वलम् ।

वासुदेवस्य नयनं शङ्करस्य च भूषणम् ॥ ३ ॥

चन्द्रं च द्विभुजं ज्ञेयं श्वेतवस्त्रधरं विभुम् ।

श्वेतमाल्याम्बरधरं श्वेतगन्धानुलेपनम् ॥ ४ ॥

श्वेतछत्रधरं देवं सर्वाभरणभूषणम् ।

अेतत्स्तोत्रं तु पठतां सर्वसम्पत्करं शुभम् ॥ ५ ॥

कृलश्रुतिः -

क्षयापस्मारकुष्ठादि तापज्वरनिवारणम् ।

धदं निशाकरस्तोत्रं यः पठेत् सततं नरः ।


सोपद्रवाद्भिर्मुच्येत नात्र कार्या विचारणा ॥ ६ ॥

इति चन्द्रस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by PSA Easwaran

---

pdf was typeset on January 18, 2020

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

